Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
PK 103

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Dec. – 2017

P.G. Diploma in 'Panchkarma' (Semester: First)
Panchkarma
स्नेहन–स्वेदन कर्म

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. तर्क देते हुए स्नेहन के योग्य अयोग्य का विस्तार से वर्णन करें।
2. आभ्यंतर स्नेह का विस्तार में वर्णन करें।
3. परिषेक स्वेद का विस्तृत वर्णन करते हुए कुछ उदाहरण भी बताएँ।
4. स्नेहन–व्याप्द का विस्तार में वर्णन करें तथा उनकी चिकित्सा लिखें।
5. साग्नि स्वेद के प्रकार का विस्तृत वर्णन करें।

खण्ड–ख
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. पत्र पिण स्वेद का वर्णन करें।
2. आयुर्वेदिक तथा आधुनिक मतानुसार स्नेहन तथा स्वेदन की कार्मुकता का वर्णन करें।
3. टिप्पणी करें :–

   (1) सद्य स्नेह (2) अवपीडन स्नेह (3) यमक स्नेह।
4. प्रविचारण स्वेद का वर्णन करें।
5. निराग्नि स्वेद के प्रकार का वर्णन करें।
6. स्वेदन के योग, अतियोग तथा अयोग के लक्षण बताएँ।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. साग्नि स्वेद कितने प्रकार के हैं.....
   (अ) 10 (ब) 11
   (स) 12 (द) 13
2. घृत का कार्य क्या है?
   (अ) कफ वर्धन (ब) पित्त वात शमन
   (स) पित्त वात वर्धन (द) वात शमन
3. कौन–सा तैल का गुण नहीं है?
   (अ) आग्नेय (ब) उष्ण
   (स) कटु (द) तीक्ष्ण
4. आचार्य सुश्रुत के मतानुसार स्नेहपाक कितने हैं?
   (अ) 2 (ब) 4
   (स) 6 (द) 7
5. स्नेह की प्रविचारणा कितनी है?
   (अ) 20 (ब) 22
   (स) 23 (द) 24
6. तैल का उपयोग किस ऋतु में श्रेष्ठ माना गया है?
   (अ) शरद (ब) हेमंत
   (स) ग्रीष्म (द) वर्षा
7. कौन–सा संकर स्वेद का प्रकार नहीं है?
   (अ) चूर्ण पिण्ड स्वेद (ब) बालुका पिण्ड स्वेद
   (स) षष्टिकशाली पिण स्वेद (द) अव्याह स्वेद
8. सालवण चावल का उपयोग षष्टिकशाली पिण्ड स्वेद में कितने दिन में किया जाता है?
   (अ) 30 दिन (ब) 45 दिन
   (स) 60 दिन (द) 75 दिन
9. सावल उपताह का वर्णन किसने किया है?
   (अ) आचार्य चरक (ब) आचार्य सुश्रुत
   (स) आचार्य वाग्भट्ट (द) आचार्य वृंदमाधव
10. मज्जा का गुण कौन–सा नहीं है?
    (अ) बल वर्धन (ब) शुक्र वर्धन
    (स) ररन वर्धन (द) रक्त वर्धन

----------X----------